an>

Title: Regarding reported construction of dams on river Brahmaputra by China there by posing threat of scarcity in water flow in Arunachal Pradesh.

श्री निनोंग इरिग (अरुणाचल पूर्व) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके प्रति आभारी हूं कि आपने मुझे शून्य काल में एक विशेÂष विÂषय पर बोलने का मौका दिया है। अरुणांचल प्रदेश और पूरा असम हर साल बाढ़ से प्रभावित होता है। अब भी बाढ़ के कारण वह प्रभावित एरिया है। इस मुद्दे को मैंने कई बार उठाया है। जांग्मू हाइड्रो प्रोजेक्ट चाइना में शुरू हो गया है, उसके कारण सियांग नदी, जिसे असम में ब्रह्मपुत्र नाम दिया गया है, उसके झाका एरिया में पर्यावरण और तिब्बत निवासी भी प्रभावित हो रहे हैं। वहां तिब्बत के लोग चिल्ला रहे हैं कि ये सभी डैम्स नहीं बनने चाहिए, क्योंकि डाउनस्ट्रीम, जिसमें अरुणाचल प्रदेश, असम एवं अन्य पूर्वोत्तर राज्य हैं, पर उनका असर होगा। हमारे देश और चीन के बीच जल सहयोग समझौता नहीं हुआ है। इसके लिए आप क्या प्रावधान कर रहे हैं, इसके बारे में सरकार क्या विशेÂष कदम ले रही है, मुझे इसकी भी जानकारी चाहिए। डागू, जिक्सू, जीच्या आदि सभी एरियाज में भी ऐसे डैम्स बनने जा रहे हैं। सितम्बर, 2016 में सीटू की सम्मिट होगी और अक्टूबर, 2016 में ब्रिक्स की सम्मिट गोवा में होने जा रही है। इसलिए प्रधानमंत्री जी और विदेशमंत्री जी से मेरी ऐसी रिक्वेस्ट है, ताकि उत्तर पूर्वी राज्यों के बाढ़ प्रभावित इलाकों में जल की समस्या है, का समाधान हो सके, इसके बारे में उनके साथ एग्रीमेंट होना चाहिए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री नव कुमार सरनीया, श्री राजीव सातव एवं श्री जॉर्ज बेकर को श्री निनोंग इरिग द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।